भोले बाबा की निकली सवारी , सब नाच रहे नर नारी,

भोले बाबा की निकली सवारी ,
सब नाच रहे , नर नारी,

आगे आगे देव चल रहे ,
पीछे चल रहे हैं त्रिपुरारी ,
सब नाच रहे नर नारी ,

भोले बाबा की निकली सवारी ,
सब नाच रहे , नर नारी ,

हाथ में डमरू, शीश पे चंदा ,
गले में उनके नाग भुजंगा ,
नन्दी पे बैठे हैं त्रिपुरारी ,
सब नाच रहे नर नारी ,

भोले बाबा की निकली सवारी ,
सब नाच रहे , नर नारी ,

जल्दी चलो जरा नन्दी बाबा ,
बेचैन हैं आज भोले बाबा ,
आज मिलन की आई हैं बारी ,
सब नाच रहे नर नारी ,

भोले बाबा की निकली सवारी ,
सब नाच रहे , नर नारी ,

सज धज कर गोरी मय्या खड़ी हैं,
थाल सजाकर मेना देवी भी खड़ी हैं ,
अब आरती करने की आई बारी ,
सब नाच रहे नर नारी ,

भोले बाबा की निकली सवारी ,
सब नाच रहे , नर नारी ,

बाबा और मय्या दोनों खड़े हैं ,
दोनों के मन आज फिर से जुड़े हैं ,
अब मिलन की आई हैं बारी ,
सब नाच रहे नर नारी ,

भोले बाबा की निकली सवारी ,
सब नाच रहे , नर नारी ,

Bhajan Lyrics - Jay Prakash Verma, Indore

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35885/title/bhole-baba-ki-nikli-sawari--sab-nach-rahe-nar-nari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |